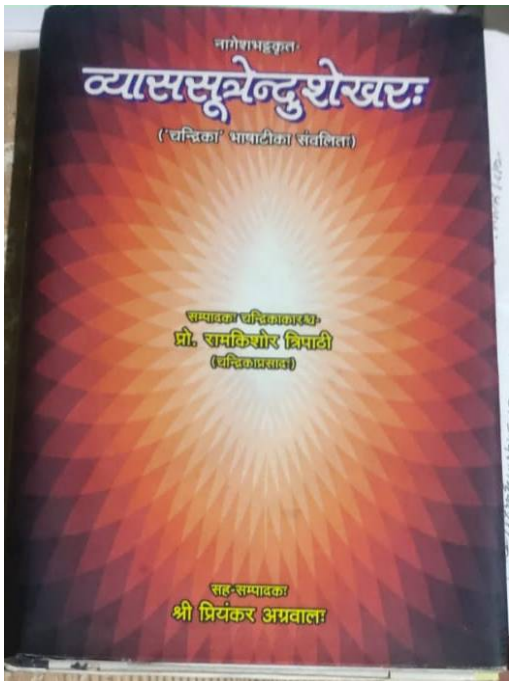
नागेशभट्टकृत
व्याससूत्रेन्दुशेखरः
('चन्द्रिका' भाषाटीका संवलितः)
सम्पादकः 'चन्द्रिकाकारः'
प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी
('चन्द्रिकाप्रसादः')
सह-सम्पादकः
श्री प्रियंकर अग्रवालः

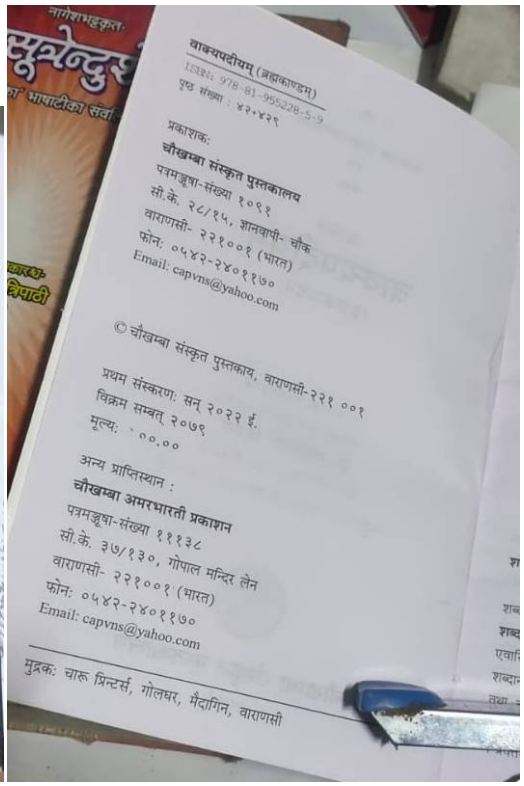
वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्)
ISBN: 978-81-955228-5-9
पृष्ठ संख्या : ४२+४२९
प्रकाशकः
चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय
पत्रमञ्जूषा-संख्या १०९१
सी.के. २८/१५, ज्ञानवापी- चौक
वाराणसी- २२१००१ (भारत)
फोन: ०५४२-२४०११७०
Email: capvns@yahoo.com
© चौखम्बा संस्कृत पुस्तकाय, वाराणसी-२२१ ००१
प्रथम संस्करण: सन् २०२२ ई.
विक्रम सम्वत् २०७९
मूल्य: ००.००
अन्य प्राप्तिस्थान :
चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन
पत्रमञ्जूषा-संख्या १११३८
सी.के. ३७/१३०, गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी- २२१००१ (भारत)
फोन: ०५४२-२४०११७०
Email: capvns@yahoo.com
मुद्रक: चारू प्रिन्टर्स, गोलघर, मैदागिन, वाराणसी

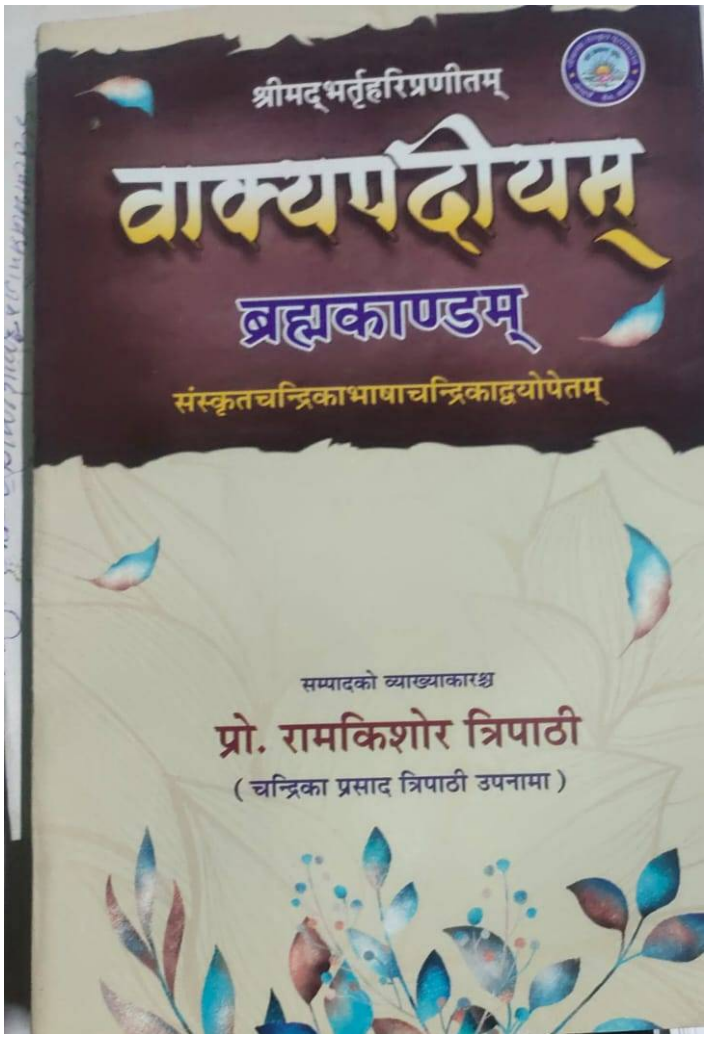
श्रीमद्भर्तृहरिप्रणीतम्
वाक्यपदीयम्
ब्रह्मकाण्डम्
संस्कृतचन्द्रिकाभाषाचन्द्रिकाद्वयोपेतम्
सम्पादको व्याख्याकारश्च
प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी
(चन्द्रिका प्रसाद त्रिपाठी उपनामा)

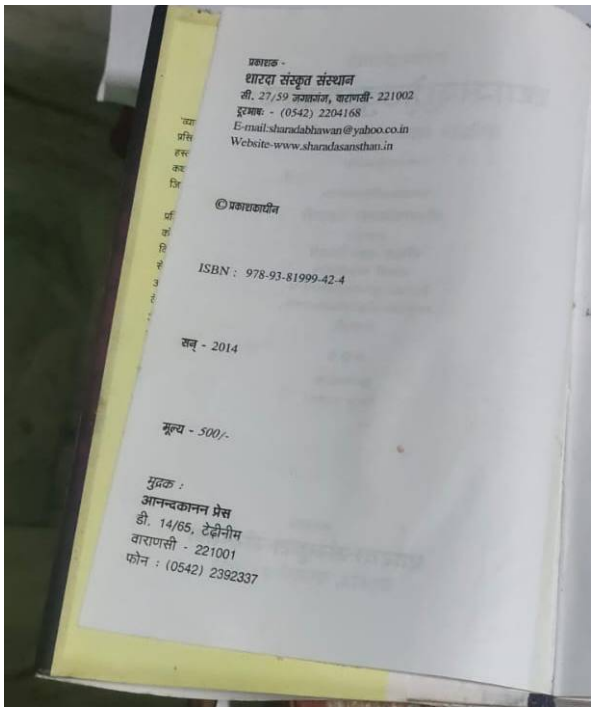

प्रकाशक -
शारदा संस्कृत संस्थान
डी. 27/59 जगतगंज, वाराणसी- 221002
दूरभाष: - (0542) 2204168
E-mail:sharadabhawan@yaboo.co.in
Website-www.sharadasansthan.in

© प्रकाशकाधीन

ISBN : 978-93-81999-42-4

सन् - 2014

मूल्य - 500/-

मुद्रक :
आनन्दकानन प्रेस
डी. 14/65, टेढ़ीनीम
वाराणसी - 221001
फोन : (0542) 2392337

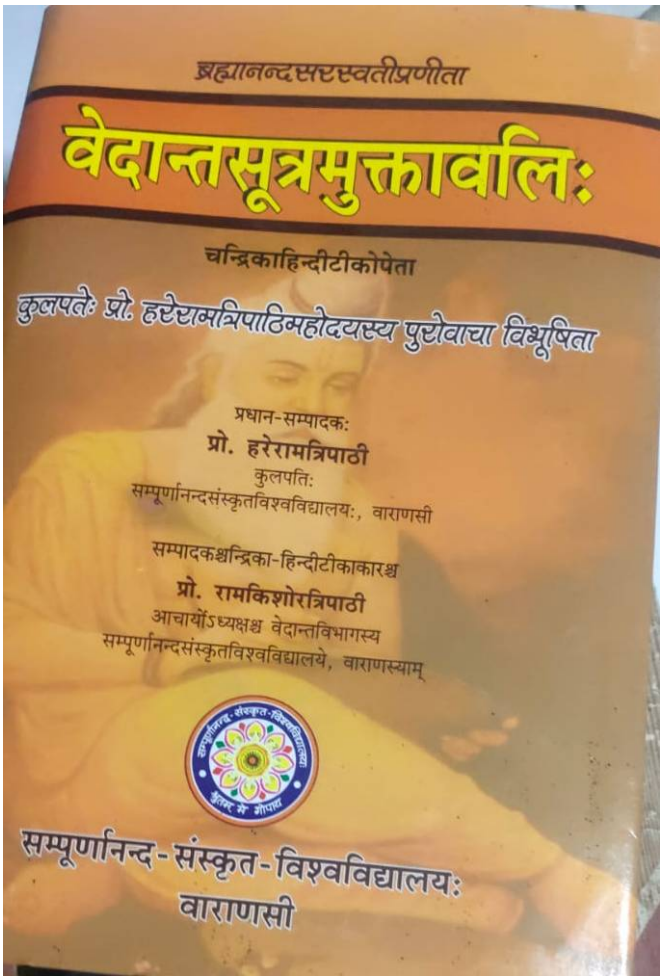
ब्रह्मानन्दसरस्वतीप्रणीता
वेदान्तसूत्रमुक्तावलिः
चन्द्रिकाहिन्दीटीकोपेता
कुलपतेः प्रो. हरेरामत्रिपाठिमहोदयस्य पुरोवाचा विभूषिता
प्रधान-सम्पादकः
प्रो. हरेरामत्रिपाठी
कुलपतिः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
सम्पादकश्चन्द्रिका-हिन्दीटीकाकारश्च
प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी
आचार्योऽध्यक्षश्च वेदान्तविभागस्य
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये, वाराणस्याम्
सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयः
वाराणसी

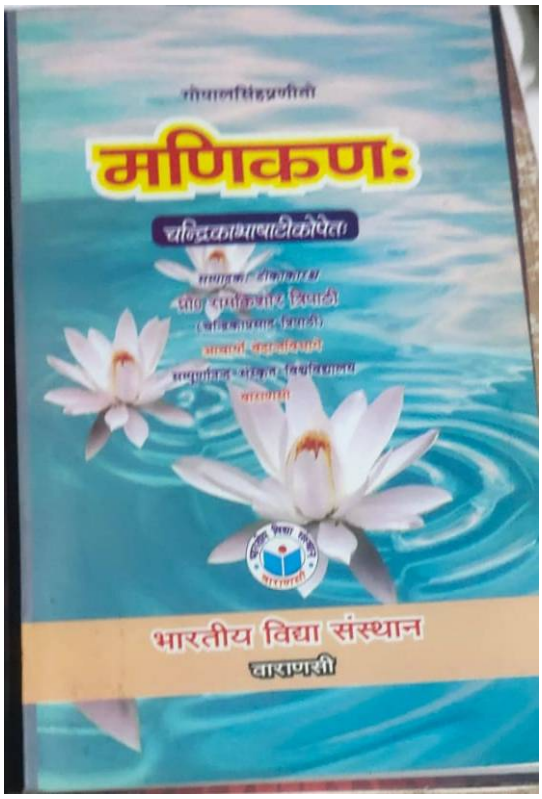
गोपालसिंहप्रणीतो
मणिकणः
चन्द्रिकाभाषाटीकोपेतः
भारतीय विद्या संस्थान
वाराणसी

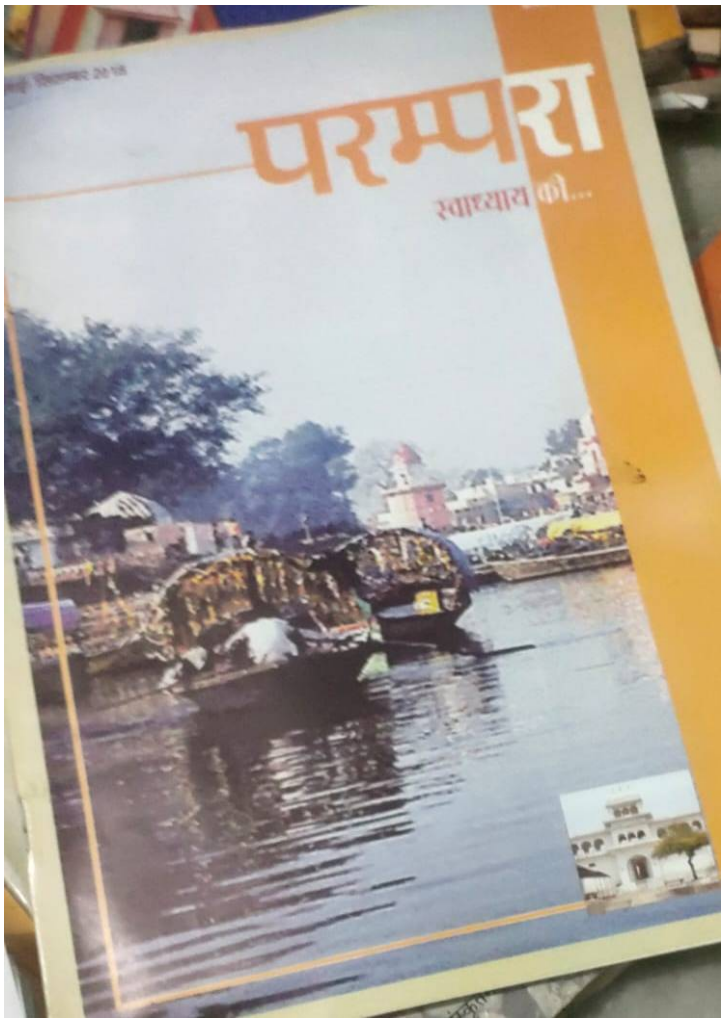
परम्परा
स्वाध्याय की...

UGC No. 5696 ISSN : [illegible]

शोधप्रज्ञा

अर्द्धवार्षिकी मूल्याङ्किता शोधपत्रिका

Half yearly Refereed Research Journal

वर्ष पंचमम् अङ्क: द्वितीय: जूनमास: २०१८

प्रधानसम्पादक:

प्रो० देवीप्रसादत्रिपाठी

कुलपति:

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालय:

हरिद्वारम्, उत्तराखण्डम्

संपादकीय

परम्परा

» अंक-1 » वर्ष-1 » मूल्य-50/-
हिन्दी की त्रैमासिक पत्रिका

संस्थापक/संरक्षक
श्री श्री 1008 श्री संकर्षण प्रपन्नाचार्य

प्रधान सम्पादक
श्री श्री 1008 श्री बदरी प्रपन्नाचार्य

सम्पादक
श्रीश पांडेय

परामर्श मण्डल
प्रो. अवधेश प्रसाद पाण्डेय
प्रो. केदारनाथ शास्त्री
प्रो. राम किशोर त्रिपाठी
डा. तुलसीदास परौहा

संवाददाता
सुनील शास्त्री

प्रधान कार्यालय
राजगुरू आचार्य आश्रम
नयागांव, चित्रकूट, सतना (म.प्र.)

कार्यालय
प्रभात विहार कॉलोनी
पन्ना रोड, सतना (म.प्र.)
485001

मोबाइल न. - 8770049567.
9425391366.

ईमेल-
...mpara1008@gmail.com

वेबसाइट
www.acharymandir.net

आरएनआई रि. न. - 1333177

मूल्य	50/-
...शुल्क	200/-
अ...	5000/-

...एवं प्रकाशक श्रीश पाण्डेय
द्वारा ...चार्य आश्रम नया गांव
चित्रकूट से प्रकाशित।

प्रवेशांक आपको सौंपते हुए..

पुण्य सलिला मंदाकिनी के तट पर अवस्थित आचार्य आश्रम चित्रकूट के तात्विक प्राचीन आश्रमों (350 वर्षों से)में से एक है। यह परम्परा गुरुओं के आशीष और अनुशासन से निरंतर आगे बढ़ती व विकसित होती जा रही है। श्री रामानुज सम्प्रदाय की इस परम्परा में गद्दी पर विराजने वाले हमारे सद्गुरुओं ने अपने-अपने काल खंड में इसे नया स्वरूप दिया और आश्रम की गतिविधियों को विस्तार दिया। लेकिन 11वें प्रमुख के तौर श्री श्री1008 श्री संकर्षण प्रपन्नाचार्य जी (बड़े महाराज) ने इसके विस्तार को नया का आकाश दिया जिसकी विस्तृत चर्चा हमने आश्रम के परिचय वाले स्तंभ में की है। अब युवराज स्वामी श्री श्री 1008 बदरी प्रपन्नाचार्य जी बड़े महाराज के संरक्षण में इसे और वैज्ञानिक स्वरूप देने में प्रयासरत हैं। 2013 में जब युवराज स्वामी जी से भेंट हुई तो हमने पत्रिका के प्रकाशन का विचार उनके सम्मुख रखा और लगा मानों वही बात वे स्वयं ही कहना चाह रहे हों। फिर क्या था उन्होंने सहमति दे दी। लेकिन उन दिनों मैं सक्रिय प्रिंट मीडिया में था तो समयाभाव के कारण यह काम चाह के भी शुरू नहीं कर सका। संयोगवश इसी वर्ष अप्रैल 2018 में पुनः जब युवराज स्वामी से मुलाकात हुई तो वही प्रश्न उठा कि पत्रिका के प्रकाशन का क्या हुआ? निश्चित तौर पर देरी हुई थी। लेकिन सौभाग्य से हाल में सक्रिय प्रिंट मीडिया के सम्पादकीय दायित्वों से इस्तीफा दे रखा था और अब समयाभाव जैसा कोई बहाना नहीं था। तो गुरुओं के आशीष से यह संकल्प लिया और कार्य प्रारम्भ किया। पत्रिका के लिए कई नाम विचार में आये पर 'परम्परा' नाम पर मन ठहर गया। युवराज स्वामी जी से इस नाम पर सहमति मिलने के बाद इसके प्रकाशन के लिए रजिस्ट्रेशन की दुरूह प्रक्रिया, लेखकों से बातचीत, कलेवर, विषय-वस्तु के निर्धारण, डिजायनिंग, प्रिंटिंग जैसे समस्त कार्यों की जिम्मेदारी एक साथ आन पड़ी। चिंता तो हुई कि इतने कम समय में सभी दायित्वों का निर्वाह अकेले कैसे हो पायेगा! लेकिन इसे स्वयं का काम न मानकर गुरुओं के आशीष के भरोसे करने में जुट गया, तो सारे काम भागदौड़ के बाद बनते गये। जब तक कर्त्ता मनुष्य स्वयं को मानता है तब तक कठिनाईयां बनी रहती हैं और जब वह निमित्त बनकर कर्त्ता ईश्वर या गुरू को मान लेता है तो उसकी समस्त बाधाएं, कठिनाईयां, सुख-दुख परमात्मा या गुरू की हो जाती हैं। इसी बात को सूत्र बनाकर पत्रिका का स्वरूप कम समय में जैसा बन पड़ा आपके लिए प्रस्तुत है। इस कार्य में सुनील शास्त्री जी ने एक सक्रिय संवाददाता की तरह सहयोग दिया। इस अंक में विभिन्न ग्रंथों, पत्रों-पत्रिकाओं से भी सहयोग लिया जिनके प्रति हम आभारी और कृतज्ञ हैं। सभी वरिष्ठ विद्वानों का हृदय से आभार जो परामर्श मंडल में हैं, क्योंकि उनके सहयोग के बिना यह कार्य सम्भव नहीं था। पत्रिका आध्यात्मिक कलेवर में होने के साथ इसे सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए कुरीतियों पर प्रहार करने का माध्यम बनाया जायेगा, क्योंकि कोई भी आध्यात्म तभी फल-फूल कर आनंद दे सकता है, जब वह समाज कुरीतियों, कुप्रथाओं से मुक्त हो और वैज्ञानिक दृष्टि से युक्त हो। हमारे मनीषियों, विद्वानों ने जीवन की वैज्ञानिकता को धर्म के माध्यम से साधारण से साधारण मनुष्य को समझाने का भगीरथ प्रयास किया है। इसे समझने के लिए स्वाध्याय दैनिक जीवन का नियमित अंग होना अनिवार्य है। विश्वास कीजिए हम सभी अद्वितीय हैं इसलिए स्वयं की शक्ति, ऊर्जा को पहचानने और उसे सकारात्मक दिशा देने की जरूरत और इसके लिए स्वाध्याय जीवन का नियमित अंग बने यह अत्यंत आवश्यक है। आ... स्वभाव में एकाकी तो होता है, लेकिन अध्येता को चिंतन-मनन का अवसर ... विचारवान बनाता है। जब हम कोई ... पढ़ते हैं तो उसका प्रति विचार या रचनात्मक विचारों की श्रृंखला ज्ञान... मन-मस्तिष्क कौंधती है और यही ज्ञा... स्वयं का ही नहीं पूरे समाज का, ... मार्गदर्शन करता है। लेकिन इसके ... प्रभाव के लिए लिखी हुई उत्कृष्ट, प्र... सामग्री चाहिए, तभी अध्ययन, मन... की समग्र प्रक्रिया पल्लवित-विक... सकेगी और यही वह पद्धति है जो ... मनुष्यों को उपलब्ध है। तो हमार... ऐसा हो जो जीवन का पग-पग पर ... करे, ज्ञानवर्धन करे। जिसे हम प्रा... कहते हैं। दरअसल, स्वाध्याय मन... साधना पद्धति एवं अभ्यास है ... चिंतनधारा को निरन्तर मांज... परिष्कृत करती है। फिर ज्ञान ... विकास होता और समझ से जीव... को न सिर्फ फलीभूत किया ... बल्कि इसे एक ऐसी विरास... संरक्षित/सुरक्षित किया सक... वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन ... परिपाटी को आगे बढ़ाने ... पत्रिका 'परम्परा' का प्रकाश... अवसर पर आचार्य आश्रम ... जा रहा है। यों तो आध्यात्... प्रकाशन की रीति हमारे ... पहले से विद्यमान है। ऐसे ... सवाल जन्मता है कि ए... प्रकाशन क्यों? इसके पी... है। एक तो- आश्रम से ... साधकों से सतत संव... साहित्य को अधिकाधि... सर्वसाधारण को पुनीत ... लगाने का अवसर देना ... प्रवेशांक आपको सौंपते ... सभी को गुरुपूर्णिमा ...

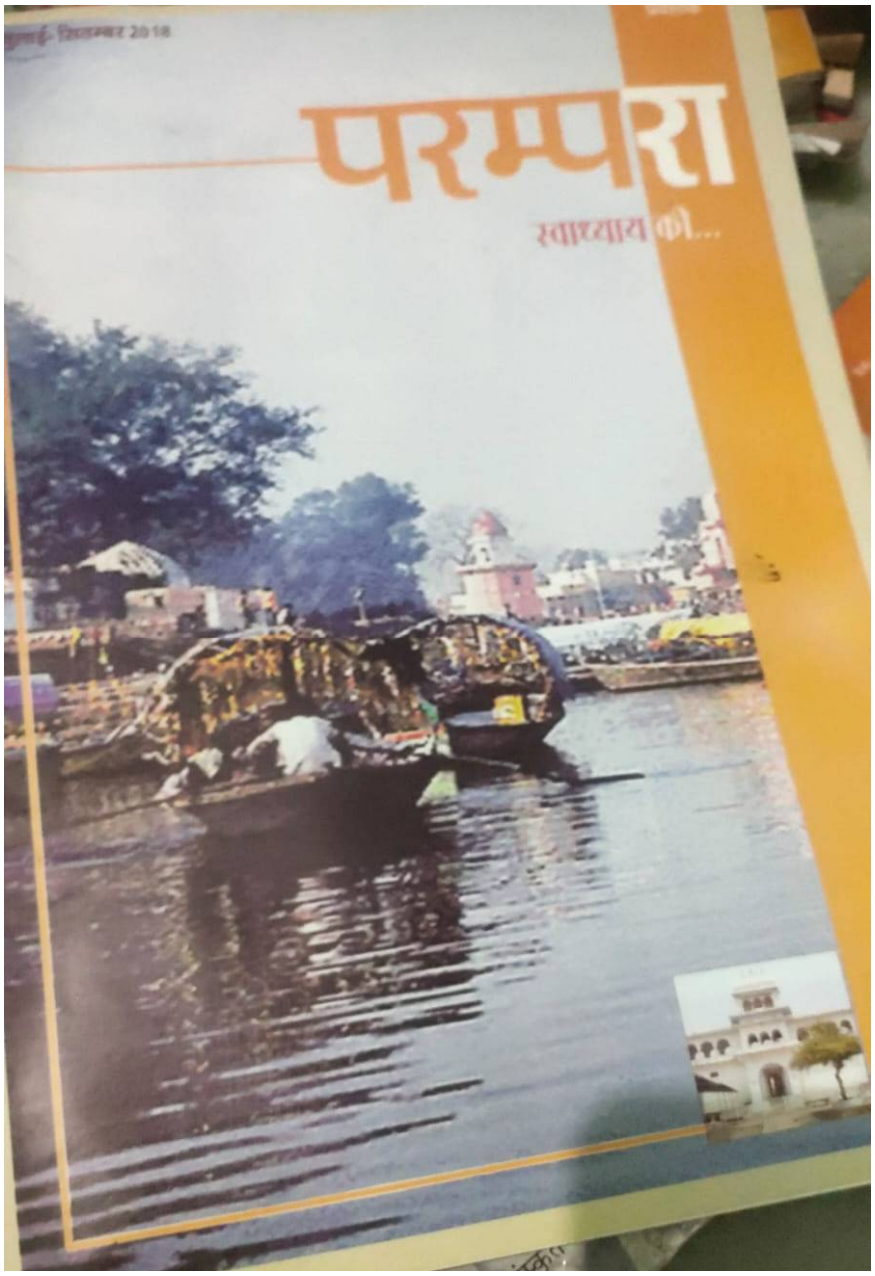
परम्परा
स्वाध्याय को...

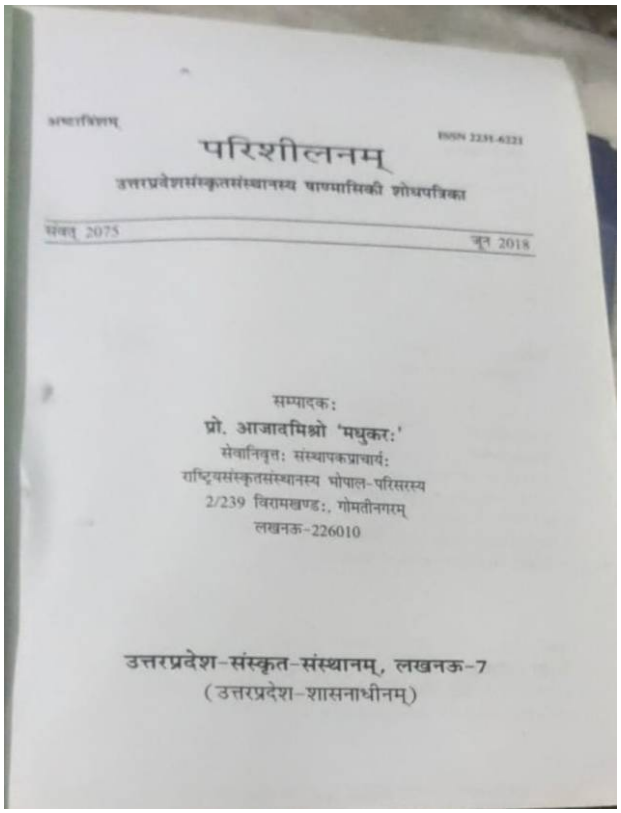

अष्टाविंशम्

ISSN 2231-6221

परिशीलनम्

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2075 जून 2018

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ-7

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

विषयानुक्रमणिका

	आध्यक्षीयम्		
	निदेशकीयम्		
	सम्पादकीयम्		
1.	भारती भातु भुवः	डॉ. प्रशस्यमित्र शास्त्री	
2.	प्रामाण्यवाद-परिशीलनम्	प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकर:'	1
3.	साधारणीकरणस्य मूलमनेकवैधता	प्रो. रामकुमारशर्मा	6
4.	ज्योतिष-योगशास्त्रयोः अन्तःसम्बन्धनिरूपणम्	डॉ. श्यामदेवमिश्रः	14
5.	महर्षिपराशरीयः कृषिपराशरः	आचार्यः केशवशर्मा	20
6.	कर्मकाण्ड-धर्मशास्त्र-ज्योतिषशास्त्रेषु अन्तःसम्बन्धः	प्रो. नागेन्द्रपाण्डेयः	25
7.	वाल्मीकिरामायणे श्रीहनुमतः प्रबन्धकौशलम् (सुन्दरकाण्डस्य विशिष्टसन्दर्भे)	प्रो. ओमप्रकाशपाण्डेयः	30
8.	वैदिकवाङ्मये अन्तरिक्षविज्ञानम्	डॉ. कैलाशनाथद्विवेदी	42
9.	संस्कृतभाषायाः विश्वव्यापकत्वम्	डॉ. उमारमण झा	46
10.	द्विकर्मकधातूनामर्थपरिशीलनम्	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	55
11.	विद्यावतीसुतरमाकान्तविरचित-गङ्गाटीकायां विदुषामभिमतानि	प्रो. मनोजकुमारमिश्रः	66
12.	आधुनिकसंस्कृतकाव्यपरा रचनाधर्मिता	प्रो. रामलखनपाण्डेयः	75
13.	कमला काव्यकोकिला	प्रो. प्रभुनाथद्विवेदी	79
14.	क्षेमेन्द्रस्य काव्यकलायां सूक्तीनां प्रयोगः	प्रो. रामसुमेरयादवः	84
15.	खण्डकाव्यस्रोतस्वत्यां काश्मीरोदयम्	डॉ. अशोककुमारशतपथी	95
16.	पञ्चायुधप्रपञ्चभाणस्य समीक्षा	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	98
17.	संस्कृते विद्यमानानाम् आजीविकासाधनानां विस्तारोपायाः	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	110
18.	संस्कृताध्ययनस्य प्रचारोपायाः	प्रो. रामसागरमिश्रः	119
19.	संस्कृतम् अतिरिक्तयोग्यतायाः पर्यायः कथं भवेत्	डॉ. चन्द्रकान्तदत्तशुक्लः	123
20.	पर्यावरणम्	डॉ. रामेश्वरप्रसादगुप्तः	128
21.	वाल्मीकिरामायणे ज्ञानभक्तिमीमांसयोर्वर्णनम्	आचार्यो लालमणिपाण्डेयः	134
22.	स्वस्तिको मङ्गलप्रदः	डॉ. भावना आचार्या	139
23.	ज्योतिषकर्मकाण्डधर्मशास्त्राणां संबन्धनिरूपणम्	पं. हरिराममिश्रः	142
24.	संस्कृतपत्रकारितायां साप्ताहिकस्य 'संस्कृतभवितव्यस्य' योगदानम्	डॉ. चन्द्रगुप्त श्रीधरवर्णेकरः	146
25.	गोस्वामितुलसीदासकृते रामचरितमानसे संस्कृतपद्यावलिः	डॉ. रामकिशोरमिश्रः	155

वैदिक धर्माधारित मानवता

विषयानुक्रमणिका

अध्यक्षीयम्
निदेशकीयम्
सम्पादकीयम्

1.	विघ्नेश्वरः	प्रो. रामलखनपाण्डेयः
2.	श्रीकरणीचरितामृतम् अपूर्वं संस्कृतमहाकाव्यम्	प्रो.आजादसिंह 'मधुकरः' 1
3.	पचत्यायुर्विवृद्धये	प्रो. बनवारीलाल गौड़ 12
4.	आयुर्यज्ञेन कल्पताम्	प्रो. प्रभुनाथद्विवेदी 21
5.	ज्योतिषे कर्णरोगविमर्शः	प्रो. नागेन्द्रपाण्डेयः 33
6.	स्मृतिवाङ्मयस्य वैभवम्	प्रो. ओमप्रकाशपाण्डेयः 37
7.	संस्कृतं मौलिकविज्ञानञ्च	प्रो. बृजेशकुमारशुक्लः 42
8.	वेदेषु पर्यावरणविषयकचिन्तनस्यावधारणा प्रासङ्गिकता च	प्रो. रामसुमेरयादवः 56
9.	श्रीहर्षस्य वितण्डाकथापद्धतिः	प्रो. रामकिशोरद्विवेदी 62
10.	पुराणशास्त्रे बौद्धवाङ्मये च बुद्धावतारविमर्शः	प्रो. धर्मदत्तचतुर्वेदी 73
11.	महाकवेर्माघस्य यज्ञ-वैशारद्यम्	डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः 81
12.	पूर्वोत्तरमीमांसादर्शनयोर्देवतातत्त्वम्	डॉ. रामानुज उपाध्यायः 90
13.	भारतीयसंस्कृतिप्रसङ्गे उपनिषदां महत्ता	डॉ. अनीता रोझितः 95
14.	औपनिषदः पुरुषः	डॉ. जगदीशप्रसादशर्मा 100

एकचत्वारिंशम्

ISSN 2231-6221

परिशीलनम्

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2076 — दिसम्बर 2019

(राष्ट्रियस्वातन्त्र्यसाहित्यसमीक्षाविशेषाङ्कः)

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्

520, इन्दिराभवनम्, लखनऊ-226001

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

चत्वारिंशम्

ISSN 2231-6221

परिशीलनम्

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2076

जून 2019

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ-7

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

द्विचत्वारिंशम्

ISSN 2231-6221

परिशीलनम्

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2077 जून 2020

(सामान्याङ्कः)

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्

520, इन्दिराभवनम्, लखनऊ-226001

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

विषयानुक्रमणिका

	अध्यक्षीयम्		
	निदेशकीयम्		
	सम्पादकीयम्		
1.	वक्तव्यम्	प्रो. रमाकान्तपाण्डेय:	
2.	'कोरोनासन्देशकाव्यस्य' संक्षिप्तं समीक्षणम्	आचार्य रहसबिहारीद्विवेदी	1
3.	समासभेदे वैयाकरणसिद्धान्तरत्नाकरस्य दृष्टि:	प्रो. आजादमिश्र: 'मधुकर'	10
4.	अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्यान्यदर्शनेभ्यो वैशिष्ट्यविचार:	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	22
5.	सिद्धान्तज्यौतिषदृशा वेदाङ्गज्यौतिषस्य कालनिर्णय:	प्रो. बृजेशकुमारशुक्ल:	31
6.	संस्कृतस्तोत्रसाहित्ये लक्ष्मीस्तव:	प्रो. प्रभुनाथद्विवेदी	36
7.	शाब्दिकाभिमतप्रमाणविमर्श:	आचार्य भगवत् शरणशुक्ल:	45
8.	विश्वव्यापिबौद्धसंस्कृतवाङ्मयविमर्श:	प्रो. धर्मदत्तचतुर्वेदी	51
9.	उपनिषत्सु सूर्यतत्त्वविमर्श:	प्रो. श्यामदेवमिश्र:	61
10.	वैय्याकरणाभिमतजगत्कारणत्वविचार:	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेय:	68
11.	तात्पर्यार्थस्वरूपसमीक्षणम्	डॉ. नारायणन्, ई. आर्	77
12.	शिशुपालवधमहाकाव्ये लोकजीवनम्	डॉ. अरविन्दकुमारतिवारी	82
13.	कुमारसम्भवमहाकाव्ये सादृश्यमूलकालङ्कारविमर्श:	डॉ. सत्येन्द्रपाण्डेय:	89
14.	अलङ्कारशास्त्रे मानवमूल्यानि औचित्यम्	डॉ. निरञ्जनमिश्र:	101
15.	राष्ट्रवाण्यां मुखरिता राष्ट्रियस्वातंत्र्यचेतना	डॉ. संजयकुमारचौबे	106
16.	अरविन्दविरचिते श्रीरामचरिते चित्रकूटवर्णनम्	डॉ. शिवशंकरशुक्ल:	114
17.	ऋग्वेदे आयुर्वेदनिरूपणम्	डॉ. कैलाशनाथद्विवेदी	117
18.	रघुवंशमहाकाव्ये वैदिकसंस्कारमीमांसा	डॉ. नीरजतिवारी	121
19.	निगमागमसाधनासंगमो लोकमङ्गलम्	डॉ. शिवभूषणत्रिपाठी	131
20.	पातञ्जलयोगदर्शन-ध्यानबिन्दूपनिषद्दृशा योगाङ्गपरिशीलनम्	पुनीतकुमार:	137
21.	संस्कृतं सङ्गणकञ्च (Sanskrit and Computer)	डॉ. प्रयागनारायणमिश्र:	143
22.	संस्कृतप्रसार-दिग्दर्शिका	डॉ. प्रमोदशुक्ल:	148
23.	नारीस्वातन्त्र्यशतकम्	डॉ. विजयबहादुरत्रिपाठी	155
24.	नाट्यप्रसङ्गे रतिमन्मथनाटकस्य परिचय:	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेय:	164
25.	जयतु सततं भारतम्	डॉ. आशारामत्रिपाठी	169
26.	श्रीशारदाऽर्धशतकम्	आचार्यरामकिशोरमिश्र:	172
27.	संस्कृता भारती तल्लिपिर्नागरी	आचार्यरहसबिहारीद्विवेदी	178

विषयानुक्रमणिका

	प्राक्कथनम्		
	निवेदनम्		
	सम्पादकीयम्		
1.	[illegible]	डॉ. अरविन्दकुमारतिवारी	1
2.	संस्कृतकविताया [illegible]	प्रो. [illegible]	12
3.	[illegible]	प्रो. [illegible]	22
4.	राष्ट्रियस्वातन्त्र्य[illegible] संस्कृत[illegible]	प्रो. [illegible]	26
5.	संस्कृत-साहित्ये स्वातन्त्र्य-संग्रामः	प्रो. हरिदत्तशर्मा	32
6.	स्वातन्त्र्यः [illegible]	प्रो. [illegible]त्रिपाठी	42
7.	[illegible]	प्रो. [illegible]मिश्रः	47
8.	[illegible] समीक्षणम्	डॉ. प्रभुनाथद्विवेदी मीरा द्विवेदी	58
9.	[illegible]	प्रो. [illegible]द्विवेदी	70
10.	[illegible]	प्रो. [illegible]शुक्लः	80
11.	[illegible]-प्रणीत '[illegible]' [illegible]	प्रो. रामकुमारशर्मा	92
12.	[illegible] स्वातन्त्र्यभारती	डॉ. राजकुमारमिश्रः	102
13.	स्वातन्त्र्यसाहित्यपर्यालोचनम्	डॉ. [illegible]द्विवेदी	110
14.	स्वातन्त्र्यसंग्रामसेनानिनः पं. [illegible] राष्ट्रियस्वातन्त्र्यसाहित्यम्	प्रो. [illegible]	118
15.	डॉ. [illegible] समीक्षणम्	डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः	125
16.	सत्याग्रहगीतायां स्वातन्त्र्यचेतना	डॉ. नारायणन् ई. आर.	133
17.	स्वातन्त्र्य[illegible]समीक्षणम्	डॉ. अशोककुमारशतपथी	139
18.	भारतस्वातन्त्र्य[illegible]मधिकृत्य संस्कृतकाव्यानि	डॉ. अरविन्दकुमारतिवारी	146
19.	आधुनिकसंस्कृतरचनासु राष्ट्रियस्वातन्त्र्यभावना	डॉ. निरञ्जनमिश्रः	153
20.	आधुनिकसाहित्ये स्वातन्त्र्याधारभूता राष्ट्रभक्तिभावना	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	158
21.	स्वातन्त्र्यसन्दर्भे शिवराजविजयस्य समीक्षा	डॉ. श्रीमती प्रज्ञा दीक्षितः	170
22.	स्वातन्त्र्य[illegible]दृष्ट्या 'स्वातन्त्र्य[illegible]' ति काव्यस्य गौरवं वैशिष्ट्यञ्च	डॉ. रामसंयोगरायः	175
23.	शिवराजविजये राष्ट्रियता	डॉ. विमलेन्दुकुमारत्रिपाठी	181
24.	आचार्य[illegible]द्विवेदिशास्त्रिणः रचनासु स्वातन्त्र्य-भावना		

विषयानुक्रमणिका

	अध्यक्षीयम्		
	निदेशकीयम्		
	सम्पादकीयम्		
1.	शरणागतम्	डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी	
2.	मदुपज्ञं बालसाहित्यम्	मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः	1
3.	श्रीमद्भागवतमहापुराणे बालसाहित्यम्	प्रो. रामकुमारशर्मा	10
4.	संस्कृत-बालसाहित्ये हितोपदेशस्य वैशिष्ट्यम्	प्रो. ओमप्रकाशपाण्डेयः	16
5.	स्व. पं. वासुदेवद्विवेदिशास्त्रिणा विरचितं बालसाहित्यम्	प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी	22
6.	अभिराजीयं बालकाव्यं 'कौमारम्'	प्रो. हरिदत्तशर्मा	33
7.	मदीये बालकाव्ये हास्यव्यङ्ग्योपस्थितिः	डॉ. प्रशस्यमित्रशास्त्री	39
8.	वाल्मीकिरामीयस्य बालगीतसमीक्षणम्	प्रो. रहसबिहारीद्विवेदी	44
9.	धर्मशास्त्रेषु बालानामधिकाराः	प्रो. बनारसी त्रिपाठी	49
10.	बालानां मल्लक्रीडानुशासनम्	प्रो. वृजेशकुमारशुक्लः	57
11.	बालकानां संवेगविकासस्य भारतीयपरम्परा	प्रो. रामसागरमिश्रः	64
12.	बालकथासाहित्यं मानवहितसाधनम्	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	74
13.	संस्कृतपत्रिकापरम्परायां बालपत्रिकायाः विश्लेषणम्	प्रो. राममुमेरयादवः	86
14.	बालसाहित्ये संस्कृतपत्रिकाणाम् अवदानम्	डॉ. श्यामदेवमिश्रः	93
15.	बालमनस्सु भारतीयकथानां प्रभावः	डॉ. नारायणन्, ई.आर.	101
16.	संस्कृतबालसाहित्यम्	प्रो. रमाकान्तपाण्डेयः	107
17.	आधुनिक-संस्कृत-बालसाहित्यम् - स्थितिः प्रगतिश्च	प्रो. बनमाली बिश्वालः	120
18.	अद्यतनं बालसाहित्यम्	डॉ. अजयकुमारमिश्रः	146
19.	संस्कृतवाङ्मये बालकबालिकानां समुत्कर्षाय सन्देशः	डॉ. नीरजतिवारी	150
20.	शीलं परं भूषणं	डॉ. शिवप्रसादत्रिपाठी	158
21.	बालसाहित्ये कथाकाव्यानामुपयोगिता	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	162
22.	मूलसिञ्चननाट्ये बालप्रवृत्तीनां चिन्तनम्	डॉ. विजयबहादुरत्रिपाठी	170
23.	विद्योत्तमा	डॉ. रामकिशोरमिश्रः	176
24.	बालगीतानि	डॉ. आशाराम त्रिपाठी	186

परिशीलनम्

ISSN 2231-6221

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2077

दिसम्बर 2020

(भारतीयसदाचारविशेषाङ्कः)

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्

520, इन्दिराभवनम्, लखनऊ-226001

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

ऊनचत्वारिंशम्

परिशीलनम्

ISSN 2231-6221

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2075

दिसम्बर 2018

बालसाहित्यसमीक्षाविशेषाङ्कः

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ-7

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

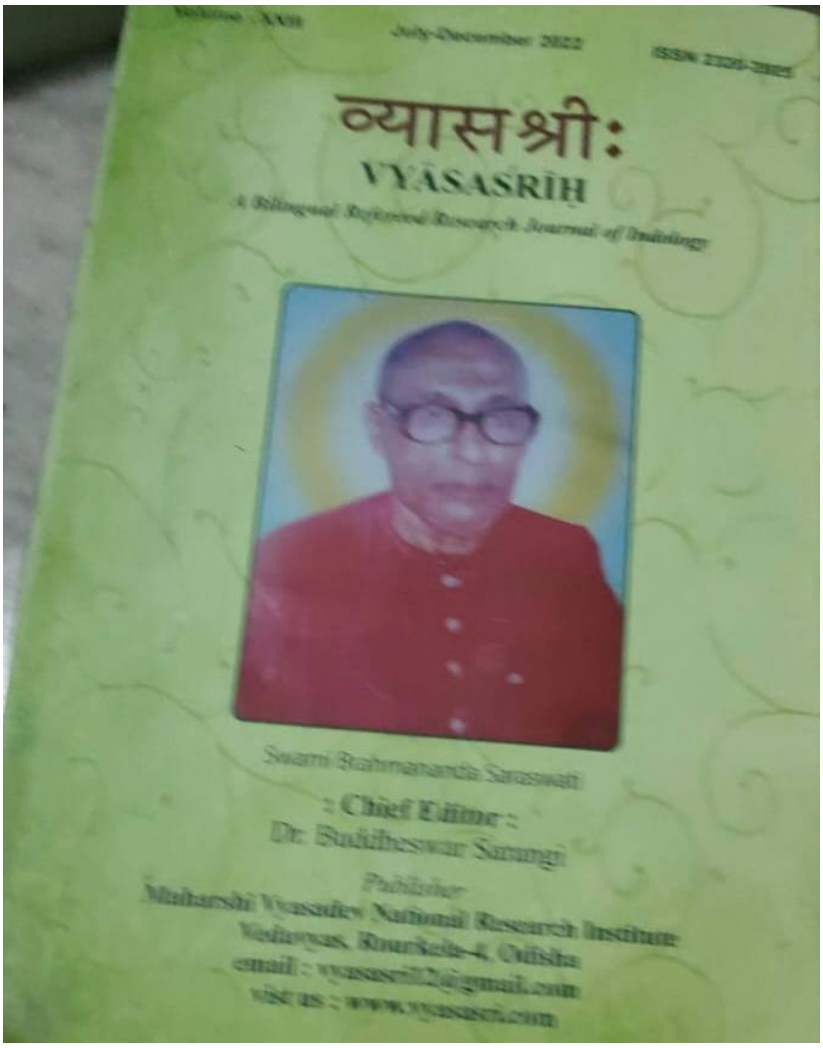

July-December 2022
व्यासश्रीः
VYĀSAŚRĪḤ
A Bilingual Refereed Research Journal of Indology
Swami Brahmananda Saraswati
: Chief Editor :
Dr. Buddheswar Sarangi
Publisher
Maharshi Vyasadev National Research Institute
Vedavyas, Rourkela-4, Odisha

विषयानुक्रमणिका

अभ्यर्थीयम्
निदेशकीयम्
सम्पादकीयम्

1. प्रणमति तव भक्तः	डॉ. कैलाशनाथद्विवेदी	
2. सप्तश्लोकिनी सूक्तिः	मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः	1
3. हितमेवानुरुध्येत	प्रो. बनमालिबिश्वालः	9
4. सुगुप्तः सदाचारः	प्रो. ओम्प्रकाशपाण्डेयः	23
5. भारतीयाऽऽचार-विचारधारा	प्रो. हरिदत्तशर्मा	27
6. आचारशुद्धौ रघुवंशम्	आचार्यो रहसविहारीद्विवेदी	32
7. कोरोनाशतकम्	डॉ. प्रभुनाथद्विवेदी	47
8. आचारेणोपशाम्यन्ति सङ्क्रमणजन्यव्याधयः	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	56
9. कोरोनासङ्क्रमणसमस्या संस्कृते समाधानञ्च	प्रो. रामसुमेरयादव	65
10. कोरोनासंक्रमणोपशमने संस्कृतवाङ्मयोक्तभैषज्योपयोगित्वम्	प्रो. धर्मदत्तचतुर्वेदी:	70
11. वाल्मीकिरामायणे दैव्यापदः तन्निरोधोपायाश्च	प्रो. लोकमान्यमिश्र:	79
12. कोरोनाकालोपयोगिन आपस्तम्बोक्ताः शिष्टाचाराः	डॉ० मीरा द्विवेदी	86
13. महामारी कोरोना कारणं निवारणं च	डॉ. प्रत्यूषवत्सलाद्विवेदी	97
14. 'कोरोना'रोगः कः, निवारणं चास्य कथं?	डॉ. रामेश्वरप्रसादगुप्तः	102
15. संस्कृते वैश्विकविषाणुज-संक्रामकरोगविमर्शः	डॉ. कैलाशनाथद्विवेदी	109
16. कोरोनाकाले भारतस्य शौचाचारविचाराणामुपयोगिता	डॉ. अरविन्दकुमारतिवारी	116
17. संस्कृतं स्वास्थ्य-सङ्कल्पना	डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः	124
18. चर्य्यामूला हि स्वस्थता	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	131
19. प्राचीनभारतीयशौचाचारस्य प्रासङ्गिकता	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	137
20. उत्तरस्मिन् वैदिकवाङ्मये सदाचार-विमर्शः	डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	149
21. भारतस्य संस्कृतिः सर्वव्याधिविनाशिका (कोरोनासन्दर्भे)	पुनीतकुमारः	153
22. कोरोनाकालेस्मिन् भारतीयाचारविचारव्यवहाराणामुपादेयता	डॉ. शिवशंकरशुक्लः	157
23. मालविकाग्निमित्रनाटके समागतवनस्पतीनां वैज्ञानिकं समीक्षणम्	डॉ. नीरजतिवारी	165
	प्रो. कविता होले	

Articles :

i) Joomla! An open source content management system. Chakraborty, H.K. and Utkarsh. In Libraries and Open Science. Ed. Sonkar, S.K and Singh, M.P. New Delhi: Ess Ess Publications, 2022, ISBN: 978-93-92594-58-8

ii) A study of Attitude of Students of Traditional University towards E-learning. Shukla, V and Chakraborty, H.K. Academicia: An International Multidisciplinary Research Journal, Vol 12, issue 9 Sept 2022, pp 1-6, ISSN 2249-7137

Awards :

i) 'Kashi Ratna Award' in Shiksha Seva by Indian Association of Journalists in 2018

ii) 'Academic Librarian Award' (Best LIS Academician) By Dr. Ranganathan Rajya Pustkalaya Samiti and Library Professionals Association in 2019

iii) 'Life Time Achievement Award' I-LIPS 2019 at BBAU, Lucknow

iv) 'Indian Librarian Pride Award'-2022 (One among Th Top 75 Pioneer Library Professionals of The Nation) By ANECDOTE PUBLISHING HOUSE Under The Aegis of AZADI Ka Amrit Mahotsav.

Prof. Hirak Kanti Chakraborty
HOD, Deptt. of Library and Information Science
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi

A) Books (Co-authored)

i) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के मूलाधार (Hindi)

कौशल किशोर चौधरी
हीरक कांति चक्रवर्ती
अमित किशोर

Y. K. Publishers, AGRA, 2018
ISBN : 978-93-80668-79-6 (PB)

ii) Fundamentals of Library and Information Science (English)

Hirak Kanti Chakraborty
Kaushal Kishor Chaudhary
Vikash Kumar Singh.

Neo-Era Publication
Bhagalpur, 2022
ISBN : 978-81-951767-2-4

वैश्विक संस्कृत मञ्च, उत्तर प्रदेश प्रान्त एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित

एक दिवसीय अन्तराष्ट्रिय शोध-संगोष्ठी

विषय : भारतीय जीवन दर्शन : वैश्विक पर्यावरण संतुलन के सन्दर्भ में

दिनांक – 05/06/2022 उद्घाटन-सत्र समय : 10:00-12:00 पूर्वाह्न

अध्यक्ष : प्रो.अभिराज राजेंद्र मिश्र
मुख्यातिथि : प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी
विशिष्ट अतिथि : प्रो. दयाशंकर तिवारी
सारस्वतातिथि : प्रो. प्रयागनारायण मिश्र
स्वागत भाषण एवं बीज वक्तव्य : प्रो. उमारानी त्रिपाठी
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ चंद्रकिशोर शास्त्री
संचालन : डॉ संदीप कुमार

तकनीकी-सत्र समय: 12:15-2:00 मध्याह्न

अध्यक्ष : डॉ नवलता
संचालक : डॉ तरुण कुमार शर्मा

मध्याह्न भोजन – 2:00 –3:00

सम्पूर्ति-सत्र समय : 3:00-5:00 अपराह्न

अध्यक्ष : प्रो. ओमप्रकाश पांडेय
मुख्य अतिथि : प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी
विशिष्ट अतिथि : श्री उदित नारायण पांडेय
विशिष्ट अतिथि : श्री ध्रुवसेन मिश्र
सारस्वतातिथि : डॉ अरविंद तिवारी
धन्यवाद ज्ञापन : प्रो. उमारानी त्रिपाठी
संचालन : डॉ शालिनी साहनी

शैक्षिक मंथन

(द्विभाषी मासिक)

शैक्षिक क्षेत्र की प्रतिनिधि पत्रिका

वर्ष : 13 अंक : 11 1 जून 2021

ज्येष्ठ, विक्रम संवत् 2078

संस्थापक
स्व. मुकुन्दराव कुलकर्णी

परामर्श
के.नरहरि
डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल
जगदीश प्रसाद सिंघल
शिवानन्द सिन्दनकेरा

सम्पादक
डॉ. राजेन्द्र शर्मा

सह सम्पादक
भरत शर्मा

संपादक मंडल
प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय
डॉ. एस.पी. सिंह
डॉ. ओमप्रकाश पारीक
डॉ. शिवशरण कौशिक

प्रबन्ध सम्पादक
महेन्द्र कपूर

व्यवस्थापक
बजरंग प्रसाद मजेजी

प्रेषण प्रभारी : नौरंग सहाय

कार्यालय प्रभारी :
आलोक चतुर्वेदी : 8619926481

प्रकाशकीय कार्यालय
82, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग,
जयपुर (राजस्थान) 302001
दूरभाष : 9414040403

दिल्ली ब्यूरो :
शैक्षिक महासंघ सदन, 606/13,
कृष्णा गली नं.9, मौजपुर, दिल्ली-110053
दूरभाष : 011-22914799

E-mail :
shaikshikmanthan@gmail.com
Visit us at :
www.shaikshikmanthan.com

एक प्रति ₹ 25/- वार्षिक शुल्क ₹ 250/-
आजीवन (दस वर्ष) ₹ 2000/-

पृष्ठ संयोजन : सागर कम्प्यूटर, जयपुर

शैक्षिक मंथन मासिक में प्रकाशित सामग्री से संपादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है तथा चित्रों का प्रतीकात्मक प्रयोग किया गया है।

जल ही जीवन है ☐ सुरेन्द्र चतुर्वेदी

राजस्थान जैसे प्रदेश में यहाँ के समाज ने पानी के संरक्षण और उपयोग को अपनी जीवन शैली में उतार लिया था। ना केवल उन्होंने जोहड़, बावड़ी, टांके और कुंई बनवाई अपितु पानी को अमृत मानकर उसकी एक बूंद भी निरूपयोगी नहीं होने दी।

13

लेकिन जब से सरकारों ने हस्तक्षेप किया है तब से जोहड़, बावड़ी, टांके और कुएँ मृतप्राय हो गये। इसके अलावा तालाब, पोखर और यहाँ तक कि नदियाँ भी सूख गई। इतना सबकुछ हमारी आँखों के सामने हो गया, लेकिन हमारा समाज चुपचाप यह सब देखता रहा। यह घोर आश्चर्य का विषय है।

अनुक्रम

4. सम्पादकीय – डॉ. राजेन्द्र शर्मा
5. भारतीय जल संस्कृति एवं दर्शन – डॉ. शिव सिंह राठौड़
7. भारत में जल प्रबंधन और संपोषणीय उपयोग – डॉ. महेश कुमार गौड़
10. जल-सृष्टि और विज्ञान – डॉ. शिव शरण कौशिक
15. जल संकट : एक विमर्श – प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी
18. जल संकट : भोगवादी संस्कृति की देन – डॉ. ओम प्रकाश देवासी
20. कृषि की जल संरक्षण योजनाएँ – डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
22. भारतीय वाङ्मय में जल स्रोत – डॉ. राम निवास चौधरी
26. वन एवं जल संरक्षण : एक अवलोकन – अनन्त कुमार शर्मा
32. Importance of forest and Agro forestry ... – Nupur Sharma
34. Water Crisis in India : Causes and Remedies – V. J. Somani
36. Climate Smart Rainwater Harvesting ... – Dr. P.K. Singh
38. Forests and Water Policies – Dr. Nutanvarsha
41. भारतीय प्रजातंत्र : प्राचीन से अर्वाचीन – डॉ. इन्दु बाला अग्रवाल

Role of Academics in Water Conservation

☐ **Vrushabh Surendrarao Dahake**

Wait what? It is 2021, we have a superpower, super technology, and all kinds of resources, but we still have to talk about water conservation itself. As a librarian, the available data in this regard was explored for research purpose, which has generated demand for understanding the role of academics in Water Conservation. This literature quest attempts to search for the actual solutions for it under a broad category of academics. According to Oxford Learner's Dictionary, "The act of preventing water from being lost, wasted, damaged, or destroyed is water conservation."

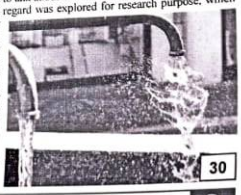

30

शैक्षिक मंथन

(द्विभाषी मासिक)

शैक्षिक क्षेत्र की प्रतिनिधि पत्रिका

वर्ष : 13 अंक : 11 1 जून 2021

ज्येष्ठ, विक्रम संवत् 2078

संस्थापक
स्व. मुकुन्दराव कुलकर्णी

❖

परामर्श
के.नरहरि
डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल
जगदीश प्रसाद सिंघल
शिवानन्द सिन्दनकेरा

❖

सम्पादक
डॉ. राजेन्द्र शर्मा

❖

सह सम्पादक
भरत शर्मा

❖

संपादक मंडल
प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय
डॉ. एस.पी. सिंह
डॉ. ओमप्रकाश पारीक
डॉ. शिवशरण कौशिक

❖

प्रबन्ध सम्पादक
महेन्द्र कपूर

❖

व्यवस्थापक
बजरंग प्रसाद मजेजी

❖

प्रेषण प्रभारी : नौरंग सहाय

कार्यालय प्रभारी :
आलोक चतुर्वेदी : 8619926481

प्रकाशकीय कार्यालय
82, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग,
जयपुर (राजस्थान) 302001
दूरभाष : 9414040403

दिल्ली ब्यूरो :
शैक्षिक महासंघ सदन, 606/13,
कृष्णा गली नं.9, मौजपुर, दिल्ली-110053
दूरभाष : 011-22914799

E-mail :
shaikshikmanthan@gmail.com
Visit us at :
www.shaikshikmanthan.com

एक प्रति ₹ 25/- वार्षिक शुल्क ₹ 250/-
आजीवन (दस वर्ष) ₹ 2000/-

पृष्ठ संयोजन : सागर कम्प्यूटर, जयपुर

शैक्षिक मंथन मासिक में प्रकाशित सामग्री से संपादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है तथा चित्रों का प्रतीकात्मक प्रयोग किया गया है।

जल ही जीवन है ☐ सुरेन्द्र चतुर्वेदी

राजस्थान जैसे प्रदेश में यहाँ के समाज ने पानी के संरक्षण और उपयोग को अपनी जीवन शैली में उतार लिया था। ना केवल उन्होंने जोहड़, बावड़ी, टांके और कुईं बनवाई अपितु पानी को अमृत मानकर उसकी एक बूंद भी निरूपयोगी नहीं होने दी।

13

लेकिन जब से सरकारों ने हस्तक्षेप किया है तब से जोहड़, बावड़ी, टांके और कुएँ मृतप्राय हो गये। इसके अलावा तालाब, पोखर और यहाँ तक कि नदियाँ भी सूख गई। इतना सबकुछ हमारी आँखों के सामने हो गया, लेकिन हमारा समाज चुपचाप यह सब देखता रहा। यह घोर आश्चर्य का विषय है।

अनुक्रम

4.	सम्पादकीय	- डॉ. राजेन्द्र शर्मा
5.	भारतीय जल संस्कृति एवं दर्शन	- डॉ. शिव सिंह राठौड़
7.	भारत में जल प्रबंधन और संपोषणीय उपयोग	- डॉ. महेश कुमार गौड़
10.	जल-सृष्टि और विज्ञान	- डॉ. शिव शरण कौशिक
15.	जल संकट : एक विमर्श	- प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी
18.	जल संकट : भोगवादी संस्कृति की देन	- डॉ. ओम प्रकाश देवासी
20.	कृषि की जल संरक्षण योजनाएँ	- डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
22.	भारतीय वाङ्मय में जल स्रोत	- डॉ. राम निवास चौधरी
26.	वन एवं जल संरक्षण : एक अवलोकन	- अनन्त कुमार शर्मा
32.	Importance of forest and Agro forestry ...	- Nupur Sharma
34.	Water Crisis in India : Causes and Remedies	- V. J. Somani
36.	Climate Smart Rainwater Harvesting ...	- Dr. P.K. Singh
38.	Forests and Water Policies	- Dr. Nutanvarsha
41.	भारतीय प्रजातंत्र : प्राचीन से अर्वाचीन	- डॉ. इन्दु बाला अग्रवाल

Role of Academics in Water Conservation

☐ Vrushabh Surendrarao Dahake

Wait what? It is 2021, we have a superpower, super technology, and all kinds of resources, but we still have to talk about water conservation itself. As a librarian, the available data in this regard was explored for research purpose, which has generated demand for understanding the role of academics in Water Conservation. This literature quest attempts to search for the actual solutions for it under a broad category of academics. According to Oxford Learner's Dictionary, "The act of preventing water from being lost, wasted, damaged, or destroyed is water conservation."

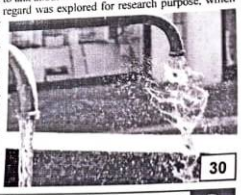

30

शोधपत्र प्रकाशन एवं पत्रिका सम्पादन 2018-2023			
क्रम	शोध लेख शीर्षक	प्रकाशन वर्ष ISBN	शोध पत्रिका का नाम एवं प्रकाशक
1.	वैदिक वाङ्मय में स्त्री उन्नयन एक विमर्श	2018 ISBN- 978-93-82061-40-3	वैधिक वाङ्मय में स्त्री उन्नयन- एक विमर्श वीर बहादुर पब्लिकेशन
2.	एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति	2018	सन्त गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुहम्मदाबाद, गोहना, मऊ
3.	आयुर्वेद विश्व की एक अमूल्य निधि	2019 ISBN- 978-93-80756-80-6	Application of Ayurvedic fundamentals in present scenario Publisher - Government PG Ayurvedic college and hospital, Chaukaghat, Varanasi
4.	धर्मदर्शने मानवीयमूल्यानि	2019 ISSN - 2249-6749	शोध प्रवाह Publisher - Dept. of Sanskrit L.S. college B.R.A., Bihar University
5.	नेपाल एवं भूटान में नाथ सम्प्रदाय का प्रभाव	2020 ISBN- 978-81-943764-8-4	नाथ पन्थ साधना और साहित्य Publisher - उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
6.	एकात्म मानववाद की अवधारणा	2021 ISSN- 0975-7457	शोधमाला Publisher - शैक्षिक एवं अनुसन्धान संस्थान, मिर्जापुर
7.	भारतीय वाङ्मय को आचार्य विद्यासागर महाराज का योगदान	2021	आचार्य विद्यासागर विरचित षट्शतीग्रन्थीय श्रमणशतकविमर्शः Publisher - जैन बौद्ध विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी
8.	जल संकट एक विमर्श	2021 ISSN- 2581-4133	शैक्षिक मन्थन Publisher - राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
9.	सेव्यतां संस्कृतं सदा	2021 ISBN- 978-93-90964-27-7	पश्यन्ती Publisher - विद्याश्री न्यास
10.	वाल्मीकि रामायणे दर्शनम्	2021 ISSN - 2277-4416	सारस्वती सुषमा Publisher - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
11.	यमः संयमतामहम् (दण्डधारियों में मैं यमराज हूँ)	2021 ISBN- 978-81-950812-9-5	श्रीमद्भगवद्गीतोक्त भगवद्विभूतिविमर्श Publisher - Kolhan University, Chaibasa

12.	विराजतां काव्यमिदं चिराय	2078 वि.स. तदनुसार 2021 महाकाव्यम्	देवाधिदेवाश्रीनीलकण्ठमहाकाव्यम् प्रकाशक - सनातन प्रेस, काष्ठमण्डपः
13.	भारतीयदर्शने ब्राह्मण श्रमण परम्परयोः विकासक्रमः	2021 ISSN- 2277-7024	सुसंस्कृतम् Publisher - सुरुचि कला समिति
14.	श्री सद्गुरु रामसिंहजी महाराज गुरु परंपराभिवन्दन	2021	सद्गुरु रामसिंह जी महाराज पीठ, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
15.	एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति	2022 ISSN- 2319-6297	The Original Source Centre for Historical and Cultural studies and research, Varanasi
16.	भारतीय न्याय व्यवस्थायां स्मृतीनां योगदानम्	2022 ISSN- 2348-6228	Current Journal Vishal Bharat Sansthan, Varanasi, U.P.
17.	सर्वं विष्णुमयं जगत्	2022	Publisher - अन्नदा देवी गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय, शिवाला, वाराणसी।
18.	पुण्यश्लोराजेन्द्राचार्यप्रशस्तिः	2022 ISBN- 978-93-91214-19-7	सर्जना शिखर Publisher - नान्दी सेवा न्यास, वाराणसी
19.	सम्पादन	2022 ISBN 978-81-955804-9-1	प्राच्य विद्या में अनुसन्धान के विविध आयाम Publisher - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
20.	सम्पादन	ISSN - 2277-4416	सारस्वती सुषमा Publisher - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
21.	सम्पादन	2277-7024	सारस्वती सुषमा Publisher - सुरुचि कला समिति

प्रो.हरिप्रसाद अधिकारी
तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी

PROF. RAMESH PRASAD

Deptt. of Pali & Theravada

Data for NAAC : 2018-19 to 2022-23

1. Books / Journals Published :

Sr. No.	Name of the book	Publisher	ISBN No.	Year
1	Dharmadoot journal (Vol.84)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2018
2	Nibbana Bodhi (Vol. XII)	Kushinagar Bhikkhu Sangha, Kushinagar	2229-3728 Advisory Board	2018
3	Dharmadoot journal (Vol.85)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2019
4	Dharmadoot journal (Vol.86)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2020
5	Pali Patipada (Vol. 1)	Pali Society of India, Varanasi	Editor	2021
6	Dharmadoot journal (Vol.87)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2021
7	Dharmadoot journal (Vol.88)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2022

2. Research papers published :

Sr. No.	Name of the article	Publisher	Year	ISBN/ISSN No.
1	An Introduction to Yamakkapakkarana	Dharmadoot, Vol.84, Sarnath	Nov. 01, 2018	ISSN: 2347-3428
2	Pali parampara me Ruparup Dhyan Bhavana	Proceeding of National Seminar on Buddhist Studies, CIHTS, Sarnath	Dec. 23, 2018	

3. Awards / Honors received :

Sr. No.	Award Name	Awarding Institution or Body	Date
1	Vidwat Bhushan Samman	Akhil Bharatiya Vidwat Parishad	22-12-2019
2	Prashasti Patra	Sampurnanand Sanskrit University , Varanasi	26-01-2021
3	Certificate of Appreciation for Supervising the language group syllabus of NEP 2020	Govt. of Uttar Pradesh	August, 2021
4	Certificate of Appreciation for Restructuring UG Syllabus of Pali for NEP 2020	Govt. of Uttar Pradesh	August, 2021
5	Sankalp Se Siddhi Award	Career Plus Educational Society, New Delhi	06-08-2022
6	Dhamma Sevā Sammāna	Dhamma Learning Centre, Sarnath, Varanasi	06-11-2022

2

4. Participation in Conferences / Seminars :

(A) International :

S. No.	Status & name of seminars / conferences	Venue	Date	Title of the Paper
1	International Conference on Expansion of Adhyatma on Social Media	Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita evam Sanchar Vishwavidyalay, Bhopal and Mahabodhi Vidya Parishad, Sarnath	Jan. 13-14, 2018	Sugat Buddha ke Adhyatmik Sanchar
2	International Conference on 9th Pali Divas	International Meditation Centre, Bodhagaya, Bihar	March 31-April 1,2018	The Social Message of Lord Buddha enshrined in Pali Literature
3	5th International Conference on Pali & Buddhism	Mahabodhi Society of India, Sarnath,Varanasi	Nov. 20-21, 2018	Universal Brotherhood in Theravada Buddhism
4	International Conference on 10th Pali Divas	MG International Hindi University, Wardha	March 31-April 1, 2019	Keynote Address on The Revival of Buddhism in Modern India
5	19th International symposium on Biocosmology	SSVV, Varanasi	April 5-9, 2019	A Buddhist approach to Biocosmology